License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

फिलिप्पियों 1:1

पौलुस ने यह पत्र किसे संबोधित किया है?

पौलुस ने इस पत्र में उन सब पवित्र लोगों को जो मसीह यीशु में होकर फिलिप्पी में रहते थे और साथ ही उनके अध्यक्षों और सेवकों को संबोधित किया है।

फिलिप्पियों 1:5

पौलुस ने फिलिप्पियों के लिए परमेश्वर को किस बात के लिए धन्यवाद दिया?

पौलुस ने पहले दिन से लेकर अब तक सुसमाचार फैलाने में फिलिप्पियों की सहभागिता के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया।

फिलिप्पियों 1:6

पौलुस को फिलिप्पियों के बारे में किस बात का भरोसा था?

पौलुस को भरोसा था कि जिसने उनमें अच्छा कार्य आरंभ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।

फिलिप्पियों 1:7

फिलिप्पियों की कलीसिया किसमें पौलुस के सहभागी थे?

फिलिप्पियों की कलीसिया पौलुस के कैद में और सुसमाचार के लिये उत्तर और प्रमाण देने में उसके साथ अनुग्रह में सहभागी थे।

फिलिप्पियों 1:9

पौलुस ने फिलिप्पियों की कलीसिया में क्या बढ़ते जाने के लिए प्रार्थना करी?

पौलुस ने प्रार्थना करी कि फिलिप्पियों की कलीसिया प्रेम, ज्ञान और सब प्रकार के विवेक में और अधिक बढ़ता जाए।

फिलिप्पियों 1:11

पौलुस ने फिलिप्पियों की कलीसिया के लिए किस चीज से भरपूर होते जाने की इच्छा की ?

पौलुस चाहते थे कि फिलिप्पियों की कलीसिया धार्मिकता के फलों से भरपूर होती जाए।

फिलिप्पियों 1:12–14

पौलुस के कैद में होने से सुसमाचार की उन्नति कैसे हुई?

मसीह के लिए पौलुस की कैद की बात सब जानते थे, और अब अधिकांश भाई और भी परमेश्वर का वचन बेधड़क सुना रहे थे।

फिलिप्पियों 1:17

कई लोग सिधाई से नहीं पर विरोध से मसीह की कथा क्यों सुनाते थे ?

कई लोग सिधाई से नहीं पर विरोध से मसीह की कथा, यह सोचते हुए सुनाते थे, कि कैद में पौलुस के लिये क्लेश उत्पन्न करें।

फिलिप्पियों 1:18

मसीह के सच्चे और बहाने से की गई प्रचार के प्रति पौलुस की क्या प्रतिक्रिया थी?

पौलुस इस बात से आनन्दित था कि किसी भी रीति से मसीह की कथा सुनाई जा रही थी।

फिलिप्पियों 1:20

पौलुस अपने जीवित रहने में या मरने में क्या करना चाहते थे?

पौलुस चाहते थे कि चाहे उनके जीवित रहने में या मरने में, वह मसीह की बड़ाई प्रगट करे।

फिलिप्पियों 1:21

पौलुस के लिये जीवित रहना, और मर जाना क्या है?

पौलुस के लिये जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है।

फिलिप्पियों 1:22-24

पौलुस किसके बीच असमंजस में थे?

पौलुस दोनों के बीच असमंजस में थे कि वह देह-त्याग कर मसीह के पास जा रहे या फिर शरीर में रहकर अपना कार्य जारी रखे।

फिलिप्पियों 1:25

पौलुस को किस बात का भरोसा था कि वह फिलिप्पियों के साथ रहेंगे?

पौलुस को पूरा भरोसा था कि वह फिलिप्पियों के विश्वास में दृढ़ होते जाने और आनन्द के लिए उनके साथ रहेंगे।

फिलिप्पियों 1:27

चाहे फिलिप्पियों के साथ हो या उनसे दूर, पौलुस फिलिप्पियों के विषय में क्या सुनना चाहते थे?

पौलुस यह सुनना चाहते थे कि फिलिप्पियों का चाल-चलन मसीह के सुसमाचार के योग्य हैं और वे एक ही आत्मा में स्थिर हैं, और एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिये परिश्रम करते हैं।

फिलिप्पियों 1:28

जब फिलिप्पी के लोग किसी बात में विरोधियों से भय नहीं खाते तो यह उनके लिये किसका स्पष्ट चिन्ह था?

जब फिलिप्पी के लोग किसी बात में विरोधियों से भय नहीं खाते तो यह उनके विरोधियों के विनाश का स्पष्ट चिन्ह था, परन्तु विश्वासियों के उद्धार का, जो परमेश्वर की ओर से था।

फिलिप्पियों 1:29

परमेश्वर ने फिलिप्पियों को कौन सी दो चीज़ें दी थीं?

फिलिप्पियों को यह अनुग्रह दिया गया था कि वे मसीह पर विश्वास करें, परन्तु साथ ही यह भी कि वे उसके लिए दुःख भी उठाएं।

फिलिप्पियों 2:2

पौलुस कहते हैं कि फिलिप्पी के लोग उनका आनन्द कैसे पूरा करें ?

पौलुस कहते हैं कि फिलिप्पी के लोग एक मन रहें और एक ही प्रेम, एक ही चित्त, और एक ही मनसा रखें ताकि उनका आनन्द पूरा हो।

फिलिप्पियों 2:3

पौलुस कहते हैं कि फिलिप्पियों को एक-दूसरे को कैसे समझना चाहिए?

फिलिप्पियों को दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझना चाहिए।

फिलिप्पियों 2:5-6

पौलुस के अनुसार हमारा स्वभाव किसके जैसा होना चाहिए?

पौलुस कहते हैं कि हमारा स्वभाव मसीह यीशु के जैसा होना चाहिए।

फिलिप्पियों 2:6

मसीह यीशु किसके स्वरूप में विद्यमान हैं?

मसीह यीशु परमेश्वर के स्वरूप में विद्यमान हैं।

फिलिप्पियों 2:7

मसीह यीशु ने कौन सा स्वरूप धारण किया?

मसीह यीशु ने एक दास का स्वरूप धारण किया और मनुष्य की समानता में हो गए।

फिलिप्पियों 2:8

यीशु ने अपने आप को किस प्रकार दीन किया?

यीशु ने क्रूस पर मृत्यु तक आज्ञाकारी रह कर अपने आप को दीन किया।

फिलिप्पियों 2:9

फिर परमेश्वर ने यीशु के लिए क्या किया?

परमेश्वर ने यीशु को अति महान किया और उन्हें वो नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है।

फिलिप्पियों 2:11

हर जीभ क्या अंगीकार करेगी?

हर एक जीभ अंगीकार करेगी कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

फिलिप्पियों 2:12

फिलिप्पियों को अपने उद्धार का कार्य कैसे पूरा करना है?

फिलिप्पियों को डरते और काँपते हुए अपने-अपने उद्धार का कार्य पूरा करना है।

फिलिप्पियों 2:13

विश्वासियों में परमेश्वर कैसे प्रभाव डाले हैं?

परमेश्वर विश्वासियों में अपनी सुइच्छा निमित्त उनके मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के लिए प्रभाव डाले हैं।

फिलिप्पियों 2:14

सब काम कैसे किया जाना चाहिए?

सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया जाना चाहिए।

फिलिप्पियों 2:17

पौलुस किस कारण से अपना लहू भी बहाने को तैयार थे ?

पौलुस फिलिप्पियों के विश्वास के बलिदान और सेवा के लिए अपना लहू भी बहाने को तैयार थे।

फिलिप्पियों 2:20

तीमुथियुस पौलुस के लिए एक अद्वितीय सहायक क्यों हैं?

तीमुथियुस अद्वितीय हैं क्योंकि वह शुद्ध मन से फिलिप्पियों की चिन्ता करते हैं।

फिलिप्पियों 2:24

क्या पौलुस फिलिप्पियों से मिलने की आशा कर रहे हैं?

हाँ, पौलुस शीघ्र ही फिलिप्पियों से मिलने की आशा करते हैं।

फिलिप्पियों 2:30

इपफ्रुदीतुस ने किस काम के लिये अपने प्राणों को जोखिम में डाला?

इपफ्रुदीतुस मसीह के काम के लिये अपने प्राणों पर जोखिम में डाला, ताकि जो घटी उनकी ओर से पौलुस की सेवा में हुई उसे पूरा करे।

फिलिप्पियों 3:2

पौलुस विश्वासियों को किससे चौकस रहने की चेतावनी देते हैं?

पौलुस विश्वासियों को कुत्तों, बुरे काम करनेवालों और काट-कूट करनेवालों से चौकस रहने की चेतावनी देते हैं।

फिलिप्पियों 3:3

पौलुस के अनुसार यथार्थ खतनावाले कौन हैं?

पौलुस कहते हैं कि यथार्थ खतनावाले वो हैं जो परमेश्वर के आत्मा की अगुआई से उपासना करते हैं, और मसीह यीशु पर घमण्ड करते हैं और शरीर पर भरोसा नहीं रखते हैं।

फिलिप्पियों 3:6

पौलुस व्यवस्था की धार्मिकता के विषय में स्वयं को कैसा मानते हैं?

पौलुस व्यवस्था की धार्मिकता के विषय में स्वयं को निर्दोष मानते हैं।

फिलिप्पियों 3:7

पौलुस के अनुसार जो बातें उन्हे लाभ की लगती थीं, मसीह के कारण वो अब उन्हें कैसा समझते हैं?

पौलुस के अनुसार जो बातें उन्हे लाभ की लगती थीं, मसीह के कारण उसे वो अब हानी समझते हैं।

फिलिप्पियों 3:8

पौलुस पिछली सब बातों को कूड़ा क्यों समझते हैं?

मसीह को प्राप्त करने की इच्छा के कारण पौलुस पिछली सब बातों को कूड़ा समझते हैं।

फिलिप्पियों 3:9

अब पौलुस के पास कौन सी धार्मिकता है?

पौलुस को अब परमेश्वर की ओर से धार्मिकता प्राप्त है जो मसीह में विश्वास करने पर मिलती है।

फिलिप्पियों 3:10

पौलुस की मसीह के साथ सहभागिता किसमें है?

पौलुस की मसीह के दुःखों में सहभागिता है।

फिलिप्पियों 3:12

पौलुस किस पदार्थ को पकड़ने के लिये दौड़े चले जाते हैं?

पौलुस उस पदार्थ को पकड़ने के लिये दौड़े चले जाते हैं, जिसके लिये मसीह यीशु ने उन्हे पकड़ा था।

फिलिप्पियों 3:14

पौलुस किस ओर दौड़े चले जाते हैं?

पौलुस उस निशाने की ओर दौड़े चले जाते हैं जिसके लिये परमेश्वर ने उन्हें मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

फिलिप्पियों 3:17

पौलुस फिलिप्पियों से किसके उदाहरण पर चलने के लिए कहते हैं?

पौलुस फिलिप्पियों से कहते हैं कि वे उसके साथ मिलकर उनकी सी चाल चलें।

फिलिप्पियों 3:19

उन लोगों का क्या परिणाम होगा जिनका ईश्वर पेट है, और जो पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं?

वे लोग जिनका ईश्वर पेट है, जो पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं उनका अन्त विनाश है।

फिलिप्पियों 3:20

पौलुस के अनुसार विश्वासियों का स्वदेश कहां पर है?

पौलुस कहते हैं कि विश्वासियों का स्वदेश स्वर्ग में है।

फिलिप्पियों 3:21

जब मसीह स्वर्ग से आयेंगे तो वह विश्वासियों के दीन-हीन देह के साथ क्या करेंगे?

मसीह अपने प्रभाव के द्वारा विश्वासियों के दीन-हीन देह को अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देंगें।

फिलिप्पियों 4:1

पौलुस फिलिप्पी में अपने प्रिय भाईयों से क्या इच्छा रखते हैं?

पौलुस फिलिप्पियों से चाहते हैं कि वे प्रभु मे स्थिर रहें।

फिलिप्पियों 4:2

पौलुस यूओदिया और सुन्तुखे से क्या निवेदन करते हैं?

पौलुस यूओदिया और सुन्तुखे से निवेदन करते हैं कि वे प्रभु में एक मन रहें।

फिलिप्पियों 4:4

पौलुस फिलिप्पियों से सदा क्या करने के लिए कहते हैं?

पौलुस उनसे प्रभु में सदा आनन्दित रहने के लिए कहते हैं।

फिलिप्पियों 4:6

पौलुस चिन्ता करने के बजाय क्या करने के लिए कहते हैं?

पौलुस कहते हैं कि चिन्ता करने के बजाय, हमें हमारे निवेदन धन्यवाद के साथ प्रार्थना में परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित करना चाहिए।

फिलिप्पियों 4:7

अगर हम ऐसा करेंगे, तो हमारे हृदय और विचारों की सुरक्षा कौन करेगा?

अगर हम ऐसा करेंगे, तो परमेश्वर की शांति हमारे हृदय और विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।

फिलिप्पियों 4:8

पौलुस किस तरह की बातों पर ध्यान लगाने के लिए कहते हैं?

पौलुस कहते हैं कि उन बातों पर ध्यान लगाने के लिए कहते हैं, जो सत्य, आदरणीय, उचित, पवित्र, सुहावनी, मनभावनी, सद्गुण और प्रशंसा की हैं।

फिलिप्पियों 4:10

फिलिप्पी के लोग अब किस विषय में फिर जागृत हुए?

फिलिप्पी के लोग पौलुस के विषय में फिर जागृत हुए।

फिलिप्पियों 4:11–12

पौलुस ने विभिन्न दशा में क्या सीखा है?

पौलुस ने बढ़ने और घटने की दशा में सन्तोष रहना सीख लिया हैं ।

फिलिप्पियों 4:13

पौलुस किस सामर्थ्य से संतुष्ट जीवन जी सकते हैं?

पौलुस मसीह के द्वारा, जो उसे सामर्थ्य देते हैं, सभी दशा में संतुष्ट जीवन जी सकते हैं।

फिलिप्पियों 4:17

पौलुस फिलिप्पियों के लिए कैसे फल की अपेक्षा रखते हैं?

पौलुस फिलिप्पियों के लिए ऐसे फल की अपेक्षा रखते हैं जो उनके लाभ के लिये बढ़ता जाए।

फिलिप्पियों 4:18

परमेश्वर फिलिप्पियों द्वारा पौलुस को दिए गए उपहार को किस दृष्टि से देखता है?

फिलिप्पियों द्वारा पौलुस को दिए गए उपहार परमेश्वर को भाता है।

फिलिप्पियों 4:19

पौलुस के अनुसार फिलिप्पियों के लिए परमेश्वर क्या करेंगे?

पौलुस कहते हैं कि परमेश्वर अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है उनकी हर एक घटी को पूरा करेगा।

फिलिप्पियों 4:22

पौलुस विशेष करके फिलिप्पियों में किसके घराने को नमस्कार कहते हैं?

पौलुस विशेष करके कैसर के घराने को नमस्कार कहते हैं।